Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 25 दिसंबर, 2023

राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस

उपभोक्ता अधिकारों तथा ज़िम्मेदारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये भारत **प्रत्येक वर्ष 24 दिसंबर** को राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाता है।

- इसी दिन **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 को 24 दिसंबर 1986 को राष्ट्रपति द्वारा मंज़ूरी मिली** थी।
- इस अधिनियम का उद्देश्य **उपभोक्ताओं का** दोषपूर्ण वस्तुओं, लापरवाह सेवाओं एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं से **संरक्षण** करना है।
    - उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के छह मौलिक अधिकार सुरक्षा का अधिकार, चुनने का अधिकार, सूचित किये जाने का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, निवारण पाने का अधिकार एवं उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार हैं।
    - उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 को प्रतिस्थापित करने के लिये उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 संसद द्वारा पारित किया गया था।
- विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस **15 मार्च** को मनाया जाता है।

और पढ़ें...राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस,उपभोक्ता अधिकारों का संरक्षण

पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती

25 दिसंबर, 2023 को पंडित मदन मोहन मालवीय की **162वीं जयंती पर प्रधानमंत्री 'पंडित मदन मोहन मालवीय के एकत्रित कार्यों' की पहली शृंखला का विमोचन** करने वाले हैं।

- **द्विभाषी (अंग्रेज़ी और हिंदी)** कार्य में मदन मोहन मालवीय के लेख, भाषण, अप्रकाशित पत्र और अन्य कार्य शामिल हैं।
- मदन मोहन मालवीय (25 दिसंबर, 1861 - 2 नवंबर, 1946) एक **भारतीय विद्वान, राजनीतिज्ञ और शिक्षा सुधारक** थे।
    - वह **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन** में एक नेता थे और चार बार **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह **अखिल भारत हिंदू महासभा** तथा **बनारस हिंदू विश्वविद्यालय** के संस्थापक भी थे।

मदन मोहन मालवीय

(25 दिसंबर, 1861 - 2 नवंबर, 1946)

"शिक्षाविद, पत्रकार, राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्त्ता"
महात्मा गांधी द्वारा 'महामना' और डॉ. एस. राधाकृष्णन द्वारा 'कर्मयोगी' की उपाधि

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:

- वह नरमपंथी एवं गरमपंथी दोनों के बीच की विचारधारा के नेता थे
- नमक सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) में भाग लिया
- चार सत्रों (1909, 1913, 1919 और 1932) के लिये भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष चुने गए

प्रमुख योगदान:

- 'गिरमिटिया मज़दूरी' प्रथा को समाप्त करने में
- वर्ष 1905 में गंगा महासभा की स्थापना
- 11 वर्ष (1909-1920) तक 'इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल' के सदस्य
- पद 'सत्यमेव जयते' शब्द को लोकप्रिय बनाया
- ब्रिटिश-भारतीय न्यायालयों में देवनागरी का प्रवेश
- वर्ष 1915 में हिंदू महासभा की स्थापना में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका
- वर्ष 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) की स्थापना

पत्रकारिता:

- अभ्युदय (हिंदी साप्ताहिक) और मर्यादा (हिंदी मासिक)
- हिंदुस्तान टाइम्स के निदेशक मंडल के अध्यक्ष

सम्मान:

- भारत रत्न (2014)
- वाराणसी-नई दिल्ली महामना एक्सप्रेस (2016)

Drishti IAS

और पढ़ें...[**पंडित मदन मोहन मालवीय**]()

वीर बाल दिवस

वीर बाल दिवस हर साल **26 दिसंबर** को **दसवें** और अंतिम सिख गुरु [**गुरु गोबिंद सिंह**]() **के चार पुत्रों की शहादत** की याद में मनाया जाता है।

- चारों बेटों के नाम **जोरावर सिंह, फतेह सिंह, जय सिंह** और **कुलवंत सिंह** थे, जिन्होंने **मुगल बादशाह औरंगजेब** और उसकी सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।
- **ज़ोरावर सिंह** और **फतेह सिंह** को क्रमशः **छह और नौ साल की उम्र** में मुगलों ने पकड़ लिया था, जब उन्होंने **आनंदपुर साहिब** के अपने किले को घेराबंदी से बचाया था।
- उन्हें सरहिंद ले जाया गया, जहां उन्होंने **इस्लाम अपनाने से इनकार** कर दिया और 1705 में उन्हें ईंटों की दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया।
- **जय सिंह** और **कुलवंत सिंह** को भी [**आनंदपुर साहिब**]() में पकड़ लिया गया, लेकिन वे कुछ वफादार अनुयायियों की मदद से **सरहिंद** से भागने में सफल रहे। वे सरहिंद की अंतिम लड़ाई में अपने पिता के साथ शामिल हुए जहाँ वह बंदूक की गोली से घायल हो गए थे।
- गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों ने [**सिख धर्म**]() के लिये अपने जीवन का बलिदान दिया और उनके साहस ने सिखों की पीढ़ियों को प्रेरित किया।

और पढ़ें...[**वीर बाल दिवस**]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-25-december,-2023